टोपी शुक्ला

राही मासूम रज़ा

प्रदत्त कार्य-1 : विचाराभिव्यक्ति

विषय : मित्रता जाति-पाति नहीं देखती।

उद्देश्य :

- आपसी मेलजोल को बढ़ावा देना।
- विचार विश्लेषण की क्षमता का विकास।
- वाचन एवं श्रवणकौशल का विकास।
- शब्द भंडार में वृद्धि एवं अनुप्रयोग।
- उदाहरण द्वारा प्रेरणा प्राप्त होना।

निर्धारित समय : एक कालांश

प्रक्रिया :

1. सर्वप्रथम शिक्षक किसी प्रसंग को कक्षा में रोचक ढंग से प्रस्तुत कर इस कार्य के लिए विद्यार्थियों को अभिप्रेरित करें।
2. यह कार्य व्यक्तिगत/सामूहिक दोनों प्रकार से कराया जा सकता है।
3. विचार करने एवं मुख्य बिंदुओं को लिखने हेतु विद्यार्थियों को 10-15 मिनट का समय अवश्य दिया जाए।
4. प्रत्येक विद्यार्थी या प्रत्येक समूह से एक वक्ता उदाहरण देकर कथन की पुष्टि करेगा।
5. शिक्षक एवं अन्य विद्यार्थी प्रत्येक वक्ता की प्रस्तुति का मूल्यांकन करेंगे।
6. प्रत्येक वक्ता को 2-3 मिनट का समय दिया जाए।

मूल्यांकन के आधार बिंदु :

- विषय वस्तु
- शब्द चयन व सटीक वाक्य
- तर्क द्वारा / उदाहरणों द्वारा कथन की पुष्टि

- आत्मविश्वास
- प्रस्तुति (उच्चारण की शुद्धता व स्वर की स्पष्टता)

टिप्पणी :

- अध्यापक किसी अन्य उपयुक्त बिंदु को भी मूल्यांकन का आधार बना सकते हैं।

प्रतिपुष्टि :

- प्रभावशाली विचाराभिव्यक्ति एवं पुष्टि के लिए दिए गए सटीक उदाहरण की सराहना की जाएगी।
- औसत प्रस्तुति को प्रोत्साहन देकर कार्य अच्छे ढंग से कराया जाएगा।
- अधूरे कार्य को पूरा करने हेतु अतिरिक्त समय दिया जाएगा।
- कमियों के सुधार हेतु सुझाव दिए जाएँगे।

प्रदत्त कार्य-2 : संस्मरण लेखन

विषय : अपने दादा/दादी या नाना/नानी के साथ बिताए क्षणों की मधुर यादों का लेखन।

उद्देश्य :

- संस्मरण लेखन विधा से परिचित कराना।
- बुर्जुगों के साथ का महत्व समझाना।
- स्व-अनुभव को शब्दबद्ध कर अभिव्यक्त करने की क्षमता का विकास।
- शब्द-भंडार में वृद्धि व अनुप्रयोग।
- कल्पनाशीलता का विकास।

निर्धारित समय : एक कालांश

प्रक्रिया :

1. व्यक्तिगत कार्य।
2. सर्वप्रथम शिक्षक अपने अनुभव व यादों (घटना) को रोचकता से कक्षा में प्रस्तुत कर विद्यार्थियों को इस कार्य के लिए अभिप्रेरित करें।
3. कार्य व मूल्यांकन के आधार बिंदुओं को पहले ही स्पष्ट किया जाएगा।
4. विद्यार्थियों को विचार करने एवं मुख्य बिंदुओं को लिखने हेतु कम से कम 10-12 मिनट का समय अवश्य दिया जाए।

5. शिक्षक इस दौरान यह ध्यान रखें कि सभी विद्यार्थी रुचिपूर्वक कार्य करें।

6. प्रत्येक विद्यार्थी अपनी बात 2–3 मिनट में प्रस्तुत करेंगे।

मूल्यांकन के आधार बिंदु :

- विषय वस्तु (भावानुकूल व विषयानुकूल)
- शब्द चयन व सटीक वाक्य रचना, क्रमबद्धता
- उच्चारण की शुद्धता, प्रवाहशीलता
- आत्मविश्वास
- प्रभावशाली/रोचक प्रसंग

टिप्पणी :

- अध्यापक किसी अन्य उपयुक्त बिंदु को भी मूल्यांकन का आधार बना सकते हैं।

प्रतिपुष्टि :

- प्रभावशाली/रोचक प्रस्तुति की सराहना की जाएगी।
- प्रस्तुति में कमी पाए जाने पर सुधार हेतु सुझाव दिए जाएँ।
- उच्चारण व वाक्य विन्यास संबंधी त्रुटियों के सुधार हेतु प्रयास किया जाए।

प्रदत्त कार्य–3 : विचाराभिव्यक्ति

विषय : 'मेरा मित्र..... (नाम) इसलिए सबसे अच्छा है क्योंकि.....'

उद्देश्य :

- विचारमंथन एवं चिंतन की क्षमता का विकास।
- विचाराभिव्यक्ति की क्षमता का विकास।
- विश्लेषण क्षमता का विकास।
- अच्छे मित्र की पहचान को स्पष्ट करना।

निर्धारित समय : एक कालांश

प्रक्रिया :

1. व्यक्तिगत कार्य।

2. शिक्षक सर्वप्रथम एक अच्छे मित्र की विशेषताओं के विषय में कुछ बातें विद्यार्थियों को बताएंगे।
3. तत्पश्चात् कार्य व मूल्यांकन के सम्पूर्ण बिंदुओं को स्पष्ट करेंगे।
4. अपने सबसे अच्छे मित्र की कम से कम 5 विशेषताओं को विद्यार्थी संक्षेप में बताएंगे।
5. विचार करने हेतु उन्हें कम से कम 10 मिनट का समय अवश्य दिया जाए।
6. प्रत्येक विद्यार्थी को अपने विचार प्रस्तुत करने हेतु कम से कम 1–3 मिनट का समय दिया जाएगा।
7. शिक्षक इस दौरान यह ध्यान रखें कि सभी विद्यार्थी दूसरों के विचार ध्यानपूर्वक सुन रहे हैं या नहीं।

मूल्यांकन के आधार बिंदु :

- विषय वस्तु
- मौलिकता (5 विशेषताओं के संदर्भ में)
- अभिव्यक्ति
- भाव
- आत्मविश्वास

टिप्पणी :

- अध्यापक किसी अन्य उपयुक्त बिंदु को भी मूल्यांकन का आधार बना सकते हैं।

प्रतिपुष्टि :

- विशेषताएं स्पष्ट न कर पाने वाले विद्यार्थियों से चर्चा कर उनकी सहायता की जाएगी।
- विशेषताओं को श्यामपट्ट पर संक्षेप में लिखा जाएगा और कार्य की समाप्ति पर शिक्षक यह बताएंगे कि ये सब एक अच्छे मित्र की विशिष्ट पहचान हैं।

प्रदत्त कार्य-4 : 'स्वानुभव प्रस्तुति'

विषय : अच्छा परीक्षा परिणाम न आने पर परिवार की प्रतिक्रिया।

उद्देश्य :

- विश्लेषण, चिंतन–मनन की क्षमता का विकास।
- जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण का विकास।
- लेखन, वाचन, श्रवण कौशल का विकास।
- किसी कार्य तथा उसके परिणाम के प्रति जागरुकता।

निर्धारित समय : एक कालांश

प्रक्रिया :

1. व्यक्तिगत कार्य।
2. सर्वप्रथम शिक्षक व्यक्तिगत सुझाव के आधार पर विचार अभिव्यक्त करें तथा कार्य से छात्रों को परिचित कराएं।
3. यह कार्य पाठ आरंभ करने से पूर्व करवाया जा सकता है।
4. विषय पर विचार करने तथा विचार बिंदु लिखने के लिए छात्रों को 15–20 मिनट का समय दिया जाए।
5. कार्य के दौरान शिक्षक प्रत्येक छात्र के क्रियाकलापों पर ध्यान दें तथा आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करें।
6. विचाराभिव्यक्ति हेतु प्रत्येक छात्र को 2 मिनट का समय दिया जाए।
7. छात्र तथा शिक्षक मिलकर कार्य का मूल्यांकन करें।
8. मूल्यांकन के आधार तथा अंक पूर्व में ही श्यामपट्ट पर लिख दिए जाएं।

मूल्यांकन के आधार बिंदु :

- विषय वस्तु व मौलिकता
- शब्द चयन, सटीक वाक्य रचना
- उच्चारण की शुद्धता व स्वर की स्पष्टता
- क्रमबद्धता, सुसंबद्धता
- आत्मविश्वास

टिप्पणी :

- अध्यापक किसी अन्य उपयुक्त बिंदु को भी मूल्यांकन का आधार बना सकते हैं।

प्रतिपुष्टि :

- कार्य की पूर्णता के संदर्भ में प्रत्येक छात्र की सराहना।
- कार्य में कमी रह जाने पर पूर्णता हेतु प्रेरणा।
- उच्चारणगत अशुद्धियों का सामान्य रूप से संशोधन।
- सर्वश्रेष्ठ वक्ता व अभिव्यक्ति का चयन।

प्रदत्त कार्य-5 : चारित्रिक विश्लेषण

विषय : 'टोपी शुक्ला' पाठ के चरित्रों के गुण-दोष का विश्लेषण करना।

उद्देश्य :

- चारित्रिक समझ तथा अन्तर करने की क्षमता का विकास।
- जीवन कौशल एवं मूल्यों की समझ का विकास।
- व्यक्तित्व को निखार सकेंगे।
- व्यक्ति एवं उनकी आदतों की समझ।
- अभिव्यक्ति एवं प्रस्तुति क्षमता का विकास।

निर्धारित समय : एक कालांश

प्रक्रिया :

1. व्यक्तिगत कार्य / सामूहिक कार्य।
2. सर्वप्रथम शिक्षक स्वानुभव के आधार पर विषय को समझाएं तथा कार्य से छात्रों को परिचित करवाएं।
3. शिक्षक छात्र को बताएं कि पाठ में कितने प्रकार के पात्र हैं।
4. स्त्री पात्र तथा पुरुष पात्र को क्रम से लिख लें।
5. सभी पात्रों के सामने गुण और दोष का कॉलम बनाकर, गुण-दोष को लिखें।
6. समस्या के कारणों की पहचान तथा लेखन।
7. आपको कौन से पात्र ने प्रभावित किया।
8. मुख्य बिंदुओं को साथ-साथ श्यामपट्ट पर भी लिखा जाए।
9. मूल्यांकन के आधार तथा अंक पूर्व में ही श्यामपट्ट पर लिख दिए जाएं।

कार्य प्रपत्र

क्र.	पात्र	गुण	दोष
1.			
2.			
3.			
4.			
5.			
मूल समस्या			
प्रभावित करने वाले पात्र			

(कारण के साथ)

टिप्पणी :

- मूल्यांकन अपने सुविधानुसार करें।

प्रतिपुष्टि :

- कार्य की पूर्णता के संदर्भ में प्रत्येक छात्र की सराहना की जाएं।
- कार्य में कमी रहने पर छात्रों को प्रेरित कर सुधार करवाया जाएं।
- अच्छे काम की सराहना करें तथा प्रदर्शित कीजिए।